



आय सृजन गतिविधि  
व्यवसाय योजना  
कटाई और सिलाई एवं बुनाई कार्य  
2022



एसएचजी/नाम	:	कल्याणी स्वयं सहायता समूह
वीएफडीएस नाम	:	लखाला
एफटीयू/रेंज	:	स्वारघाट
डीएमयू/मंडल	:	बिलासपुर
एफसीसीयू / सर्कल	:	बिलासपुर
द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल		द्वारा तैयार:- डीएमयू बिलासपुर, एफटीयू स्वारघाट और कल्याणी एसएचजी

## विषय सूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	3
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-7
गांव का भौगोलिक विवरण	7
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	8
उत्पादन योजना का विवरण	8
विपणन /बिक्री का विवरण	8-9
अर्थशास्त्र का विवरण	9
वित् की आवश्यकता	10
निगरानी विधि	11
टिपणी	12
व्यवसाय योजना स्वेटर एवं बैग बनाना	12
कार्यकारी सारांश	12
खर्चों की जानकारी	12
उत्पादन लागत	13-14
अनुलग्नक	15-16

## परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिकभूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालयके ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और इसका आबादी घनत्व काफी है।

यह जिला पंजाब की सीमा से सटा हुआ है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रवेश द्वार है, बिलासपुर जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते मंडी कुल्लू शिमला, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ता है।

यह जिला प्राचीन बस्तियों और पारंपरिक खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी सतलुज नदी मुख्य जीवन रेखा है। तथा भाखड़ा बाँध के निर्माण के पश्चात् इस जिले का अधिकतर उपजाऊ भू क्षेत्र जलमग्न हो गया है।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

लखदाता पीर ग्रामीण वन विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, "कल्याणी " स्वयं सहायता समुह, कटाई, सिलाई और बैग निर्माण से संबंधित है। समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने कटाई, सिलाई और बुनाई कार्य करने का फैसला किया। जिसमें डॉ० उल्शीदा, विषय विशेषज्ञ कार्यालय वनमंडल बिलासपुर, रविंदर कुमार, वन रक्षक, बेहल बीट और पूनम ठाकुर एफ टी यु कोऑर्डिनेटर स्वारघाट शामिल रहे जिसमें वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा।

## कार्यकारी सारांश

### लखदाता पीर वन ग्रामीण विकास समिति:-

लखदाता पीर ग्रामीण वन विकास समिति लखाला राजस्व गांव में व्यवस्थित है। इस ग्रामीण वन विकास समिति का गठन ग्राम लखाला में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में बिलासपुर जिले के स्वाहण ब्लॉक में स्थित है लखाला ग्रामीण वन विकास समिति बिलासपुर वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के स्वारघाट वन परिक्षेत्र के तहत स्वाहण वन खण्ड के स्वाहण बीट के अंतर्गत आता है।

परिवारों की संख्या	105
बीपीएल परिवार	46
कुल जनसंख्या	444

## स्वयं सहायता समूह का विवरण

अनौपचारिक कल्याणी स्वयं सहायता समूह के गठन में लखाला ग्रामीण वन विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। कल्याणी स्वयं सहायता समूह में (15 महिलाएं) हैं जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतुष्टि के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिलाई और बैग निर्माण जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में कुल 15 महिलाएं हैं लेकिन उपरोक्त व्यवसायिक योजना में 11 सदस्य शामिल हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

## सदस्यों का विवरण



सुषमा शर्मा (प्रधान)



रजनी देवी (सचिव)



वंदना देवी (को0 अध्यक्ष)



सुनीता देवी



रचना देवी



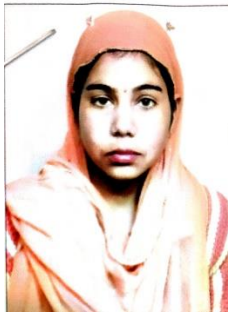
रचना देवी



शालिनी देवी



वंदना देवी



पूजा देवी



माया देवी



वीना देवी

## कल्याणी स्वयं सहायता समूह लखाला

एसएचजी का नाम	::	कल्याणी
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	लखाला
परिक्षेत्र	::	स्वारघाट
वन मण्डल	::	बिलासपुर
गांव	::	लखाला
खंड	::	स्वाहण
ज़िला	::	बिलासपुर
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	15
गठन की तिथि	::	27-04-2021
बैंक का नाम और विवरण	::	Co-oprative Bank Swarghat
बैंक खाता संख्या	::	11810108269
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.100/-माह
कुल बचत	::	31909/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

## गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	60 किमी
मेन रोड से दूर	:	5 किमी
स्थानीय बाजार और दूर का नाम	:	बेहल 3किमी
प्रमुख शहरों के नाम और दूर	:	किरतपुर 10 किमी, स्वारघाट 17 कि०मी०, बिलासपुर 60 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	:	किरतपुर , स्वारघाट, बिलासपुर

### आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतुष्टि बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कटाई, सिलाई और बुनाई कार्य से उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

### उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट

### विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	अन्त निर्हित गांव – लखाला
	::	आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

## संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

### सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात् कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।

समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

### अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (₹.)
सिलाई मशीन	05	8000	40000
इंटरलॉक मशीन	1	6000	6000
दर्जी कैंची	11	400	4400
सिलाई रूलर (फीता) सेट	11	600	6600
सिलाई दर्जी Tap	11	100	1100
आयरन प्रेस	2	500	1000
अलमारी	3-4	लगभग	5000
कांटा	2 सेट	400	800
कुर्सियों, मेज आदि	लगभग	लगभग	5000
<b>कुल पूंजीगत लागत (₹) =</b>			<b>69900</b>

बी।	आवर्ती लागत				
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (₹.)
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/माह	180	10	1800
2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	सूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000



कुल आवर्ती लागत (बी)	7800
----------------------	------

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
<b>कुल</b>	<b>8400</b>

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु.)	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

#### आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	राशि (रु.)
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8700)	28,800
शुद्ध लाभ का वितरण	<ul style="list-style-type: none"> <li>लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा।</li> <li>IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा</li> </ul>

#### वित्त की आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	69900	52425	17475
कुल आवर्ती लागत	7800	0	7800
प्रशिक्षण	50000	50000	0
<b>कुल</b>	<b>127700</b>	<b>102425</b>	<b>25275</b>

#### ध्यान दें-

- पूंजीगत लागत - परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75%

- आवर्ती लागत - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

#### वित्त स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पूंजीगतलागतका 75% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा।</li> <li>• SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे।</li> <li>• प्रशिक्षण/क्षमतानिर्माण/कौशल उन्नयन लागत।</li> </ul>	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	<ul style="list-style-type: none"> <li><input type="checkbox"/> पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा।</li> <li><input type="checkbox"/> स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत</li> </ul>	

#### प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

**ऋण चुकौती अनुसूची-** यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

#### निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

### टिपणी:

समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधि बुनाई कार्य है क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप में समीक्षा मिशन के समय लिया गया है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधि सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

## व्यवसाय योजना

### स्वैटर एवं जुराब बुनाई द्वारा

### कल्याणी

#### कार्यकारी सारांश

स्वैटर एवं जुराबें उत्पादन एक तरीका है जिससे लोगों को आर्थिक लाभ होगा व ग्रामीण स्वैटर और जुराबें उत्पादन कम खर्च पर करके अपनी आजीविका बढ़ा सकते हैं। इसके माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय में पर्याप्त बढ़ौतरी कर सकते हैं। लेकिन इस गतिविधि को ग्रामीण क्षेत्रों में चलाने में समस्या यह है कि गांव में स्वैटर व जुराबें उत्पादन पारम्परिक तरीके से हो रहा है। जिससे उत्पादन काफी कम हो रहा है। इस समस्या को दूर करने के लिए तथा कम कीमत पर अच्छी किस्म का उत्पादन करने के लिए उन्नत किस्म की बुनाई मशीनें नई वैज्ञानिक तकनीक से तैयार की हैं। जिनसे गांव के लोग अच्छी किस्म के उत्पाद कम समय में तैयार कर सकते हैं और आय अर्जित कर सकते हैं।

खर्चों की जानकारी : -

पूंजी लागत			
विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (₹.)
बुनाई मशीन	02	8000	16,000
धागा रोलर	01	6000	6,000
बुनाई मशीन (कार्ड वाली)	01	50000	50,000
छोटी कैंची	05	150	750
तोल मशीन	1	2000	2,000
भंडारण बॉक्स	01	5000	5000
<b>कुल पूंजीगत लागत =</b>			<b>79750</b>

आवर्ती लागत				
विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (₹.)
ऊनी धागा (ओसवाल)	किग्रा/माह	78	700	54600
2 प्लाई ऊन	किग्रा/माह	24	400	9600
अन्य (कागज़, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मरम्मत)	महीना	1	1000	1000

आवर्ती लागत				65200
-------------	--	--	--	-------

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	65200
पूँजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यहास	700
<b>कुल</b>	<b>65900</b>

### उत्पादन की लागत ( प्रति माह )

एक सदस्य द्वारा एक माह में औसत उत्पादन स्वेटर = 8 न0

(यदि प्रतिदिन 3-4 घण्टे कार्य किया जाए)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह स्वेटर = 130 न0

एक सदस्य द्वारा एक माह में औसत उत्पादन जुराबें = 15 न0 जोड़ी

(यदि प्रतिदिन 3-4 घण्टे कार्य किया जाए)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह = 240 न0 जोड़ी

130 न0 स्वेटर के लिए ऊन की आवश्यकता = 78 कि0ग्राम

ऊन का औसतन बाजार मूल्य = 54600 /-रुपये

240 जोड़ी जुराबों के लिए ऊन के धागे की आवश्यकता = 24 कि0 ग्रा0

जुराब के धागे का बाज़ार मूल्य = 9600 /- रुपये

### आय प्रतिमाह

एक माह में समूह का औसत उत्पादन (स्वेटर) = 130 न0

एक स्वेटर का औसत बाज़ार मूल्य = 800 /- रू0

समूह की औसत आय = 104000रू0

एक माह में समूह का औसत उत्पादन (जुराबें) = 240 न0 जोड़ी

एक जोड़ी जुराब का औसत बाज़ार मूल्य = 150 /- रू0

समूह की औसत आय = 36000रू0

### लाभ प्रति माह

समूह कालाभ प्रति माह = औसत आय - औसत लागत

$$= (104000+36000) - (54600+9600)$$

$$= 75800रुपये$$

लाभ प्रति माह प्रति व्यक्ति = 9475 /- रुपये

इसमें समूह के सदस्यों की मजदूरी भी सम्मिलित है

परियोजना की कुल लागत है

पूँजीगत लागत = 69900/-

आवर्ती लागत = 7800/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल = 77700/-

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 79750/-

आवर्ती लागत = 65200/-

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना के लिए कुल = 144950/-

प्रशिक्षण खर्चा = 50000/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 272650/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	प्रशिक्षण	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थीअंशदान	कुल लागत
1.	कटाई, सिलाई	69900	7800	50000	102425	25275	127700
2.	स्वेटर एवं जुराब बुनाई	79750	65200		59813	85137	144950
	<b>कुल</b>	<b>149650/-</b>	<b>73000/-</b>	<b>50000/-</b>	<b>162238/-</b>	<b>110412/-</b>	<b>272650/-</b>

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी।  
 परिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए  
 परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (कटई, शिल्पिव बुनाई कार्य) के द्वारा चुना गया।  
 समूह का विवरण इस प्रकार है

क्र.सं.	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1	सुषमा शर्मा जी	पुद्धान	साभाल्य	46	Sushama Sharma
2	रघुनी देवी	सचिव	-4-	28	Rajni Devi
3	वन्दना देवी	कोषाध्यक्ष	-4-	42	Vandana Devi
4	सुनीता देवी	सदस्य	-4-	39	Sunita Devi
5	रघुनी देवी	-4-	-4-	45	Rajni Devi
6	रघुनी देवी	-4-	-4-	50	Rajni Devi
7	शशि देवी	सचिव	-4-	23	Shalini Devi
8	वन्दना देवी	सदस्य	-4-	30	Bandra Devi
9	पूजा देवी	सदस्य	-4-	27	Pooja Devi
10	मया देवी	सदस्य	-4-	42	Maya Devi
11	वीना देवी	सदस्य	-4-	33	Vina Devi
12					
13					
14					
15					

Rajni Devi  
प्रधान स्वयं सहायता समूह  
गांव लखाला तह० श्री वैना देवी जी,  
जिला बिलासपुर, हि०प्र०

प्रधान Sushama Sharma  
हस्ताक्षर  
प्रधान स्वयं सहायता समूह  
गांव लखाला तह० श्री वैना देवी जी,  
जिला बिलासपुर, हि०प्र०

हरदेव प्रसाद सिंह  
प्रधान, वन शीमाणी विकास समिति  
गांव लखाला तह० श्री वैना देवी जी,  
जिला बिलासपुर हि०प्र०

हस्ताक्षर  
प्रधान, वन शीमाणी विकास समिति  
गांव लखाला तह० श्री वैना देवी जी,  
जिला बिलासपुर हि०प्र०

Prasanna  
हस्ताक्षर  
वन खण्ड अधिकारी

K. S. S. S.  
हस्ताक्षर  
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर  
वन शीमाणी अधिकारी  
Range Forest Officer  
Range Forest Division

Divisional Management Unit-Div  
Officer JICA Forestry Project,  
Distt. Bilaspur (H.P.)